लग्न: उगती राशि। दशा: ग्रहों से जुड़ी समय की अवधि। नक्षत्र: चंद्रमा के पथ का एक भाग।

नमूना रिपोर्ट · काल्पनिक व्यक्ति

आरव शर्मा की गुरु गोचर रिपोर्ट

अक्टूबर 2026 से सितंबर 2028: गोचर में गुरु दो लहरों में सिंह, आपके जन्म के गुरु की राशि, में लौटते हैं, बीच में आपके बारहवें और दूसरे भाव से गुज़रते हुए, और यह सब आपकी गुरु महादशा के समापन पर।

जन्म	स्थान	लग्न	राशि · नक्षत्र
15 अगस्त 1991, 06:40	Jaipur, Rajasthan, India	सिंह	तुला · चित्रा 3

इस रिपोर्ट में

01 आपकी जन्म कुंडली में गुरु

02 गुरु का मार्ग, तिथियों के साथ

03 भाव दर भाव

04 गुरु और आपकी दशा

05 अच्छे समय का उपयोग

06 पारंपरिक उपाय

07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

01 आपकी जन्म कुंडली में गुरु

आरव, गुरु का हर गोचर उसी गुरु के माध्यम से काम करता है जिसके साथ आपका जन्म हुआ। तिथियों से पहले, वह गुरु यहाँ हैं।

आपके जन्म के गुरु

आपके गुरु सिंह में 0°08′ पर आपके पहले भाव में, मघा चरण 1 में, मित्र की राशि में, और अस्त हैं, सूर्य के अंश के पास। वे बुद्धि, संतान और पुण्य के आपके पाँचवें भाव और परिवर्तन व शोध के आठवें भाव के स्वामी हैं। वे आपके लग्न में बने आपके राजयोग और धन योग दोनों के भी हिस्से हैं।

अस्त गुरु में वास्तविक ज्ञान होता है जिसे सचेत बात रखने की कला चाहिए, और जब गोचर में गुरु उसे छूने लौटते हैं तो वह प्रबलता से प्रतिक्रिया देता है। अगले दो वर्षों में ठीक यही होता है।

> ✦ आपके लग्न में जन्म के गुरु, आपके राजयोग और धन योग के हिस्से: उनके गोचर आपकी कुंडली के हृदय को छूते हैं।

02 गुरु का मार्ग, तिथियों के साथ

दो वर्षों में सात ठहराव

गोचर में गुरु 31 अक्टूबर 2026 तक कर्क में हैं। फिर वे 31 अक्टूबर 2026 से 24 जनवरी 2027 तक सिंह में प्रवेश करते हैं; 24 जनवरी से 25 जून 2027 तक वापस कर्क में जाते हैं; 25 जून से 26 नवंबर 2027 तक सिंह में लौटते हैं; 26 नवंबर 2027 से 28 फ़रवरी 2028 तक कन्या में प्रवेश करते हैं; 28 फ़रवरी से 24 जुलाई 2028 तक एक बार फिर सिंह में लौटते हैं; और 24 जुलाई 2028 से कन्या में जाते हैं।

यह आगे-पीछे गुरु के वक्री कालों के कारण है। व्यावहारिक अर्थ यह है कि सिंह के विषय तीन लहरों में आते हैं, इसलिए पहली में शुरू हुई योजना दूसरी और तीसरी में परिपक्व हो सकती है।

03 भाव दर भाव

हर ठहराव को आपके लग्न सिंह से और आपके चंद्रमा तुला से पढ़ा गया है।

सिंह में गुरु का गोचर: आपका पहला भाव, और गुरु की वापसी

सिंह आपका लग्न और चंद्रमा से ग्यारहवीं राशि है। लग्न पर गुरु का गोचर परंपरा में सबसे शुभ गोचरों में से एक माना जाता है: आत्मविश्वास, दृश्यता, अच्छा सेहत, और शिक्षकों, मार्गदर्शकों और अधिकार वाले लोगों का साथ। चंद्रमा से ग्यारहवाँ स्थान लाभ और पूरी होती इच्छाओं का स्थान है।

क्योंकि आपके जन्म के गुरु सिंह में हैं, ये गोचर आपकी गुरु वापसी भी हैं, वह क्षण जब गोचर में गुरु उस राशि में लौटते हैं जिसमें वे आपके जन्म के समय थे। परंपरा गुरु वापसी को एक दहलीज़ मानती है: पिछले बारह वर्षों में सीखी बातों का लेखा-जोखा करने और आगे क्या बढ़ाना है चुनने का समय।

> ✦ 31 अक्टूबर 2026 से सिंह पर गुरु का गोचर आपकी गुरु वापसी भी है: विकास का एक दहलीज़ वर्ष।

कर्क में गुरु का गोचर: आपका बारहवाँ भाव

कर्क आपका बारहवाँ भाव और चंद्रमा से दसवीं राशि है। बारहवें भाव में गुरु का गोचर परंपरा में विश्राम, एकांत, आध्यात्मिक अभ्यास, विदेश यात्रा और अच्छे कार्यों पर उदार ख़र्च के पक्ष में है। चंद्रमा से दसवाँ स्थान काम और प्रतिष्ठा पर ध्यान लाता है। जनवरी से जून 2027 का ठहराव शुरुआतों के बजाय अध्ययन, यात्रा और शांत तैयारी का अच्छा समय है।

कन्या में गुरु का गोचर: आपका दूसरा भाव

कन्या आपका दूसरा भाव और चंद्रमा से बारहवीं राशि है। दूसरे भाव में गुरु का गोचर परंपरा में बचत, पारिवारिक जीवन, भोजन और वाणी का साथ देता है; यह उन बचत व्यवस्थाओं को बनाने का स्वाभाविक समय है जो आपकी कुंडली माँगती है, क्योंकि आपका दूसरा भाव 21 अंक पाता है। चंद्रमा से बारहवाँ स्थान ख़र्च में सावधानी माँगता है, इसलिए दोनों पाठ सहमत हैं: धन के चारों ओर ढाँचा बनाएँ।

भाव अनुसार सर्वाष्टकवर्ग

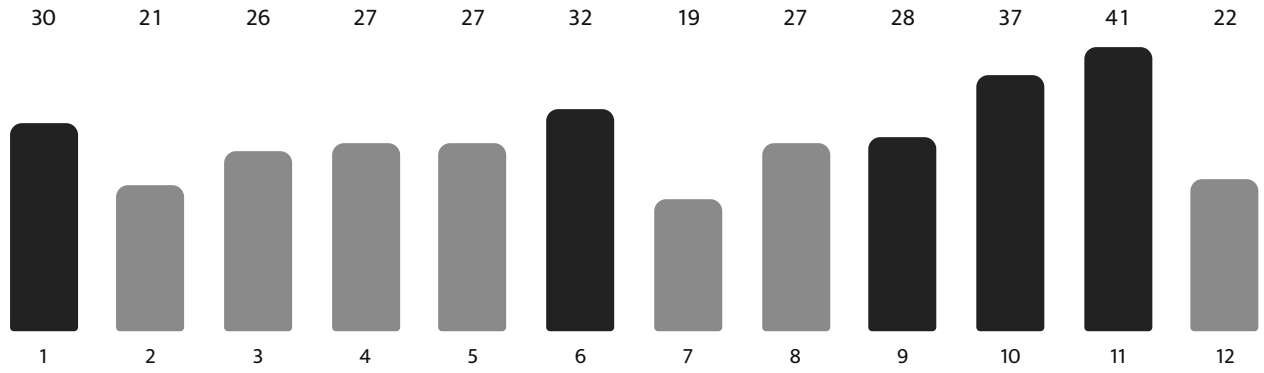

हर भाव के बिंदु (कुल 337)। 28 या अधिक पारंपरिक रूप से बलवान; 25 से कम में सावधानी।

04 गुरु और आपकी दशा

गुरु महादशा का समापन

आप गुरु महादशा के अंतिम महीनों में, राहु अंतर्दशा में, 26 अगस्त 2027 तक हैं। शुक्र प्रत्यंतर 15 अक्टूबर 2026 से 10 मार्च 2027 तक चलता है, जो सिंह की पहली लहर से मेल खाता है; सूर्य 10 मार्च से 23 अप्रैल तक, चंद्र 5 जुलाई तक, और मंगल 26 अगस्त 2027 तक।

जब महादशा के स्वामी और गोचर का ग्रह एक ही हों, तो गोचर प्रबलता से महसूस होता है। सिंह की पहली लहर, गुरु महादशा और सुखद शुक्र प्रत्यंतर के भीतर, परंपरा में पूरे काल का सबसे फलदायी हिस्सा है। बाद की लहरें आपकी शनि महादशा में पड़ती हैं, जहाँ वे शनि के लंबे, स्थिर काम को गुरु का साथ देती हैं।

विंशोत्तरी महादशाएँ

मंगल 1991–1993	राहु 1993–2011	गुरु 2011–2027
शनि 2027–2046	बुध 2046–2063	केतु 2063–2070
शुक्र 2070–2090	सूर्य 2090–2096	चंद्र 2096–2106

05 अच्छे समय का उपयोग

एक सरल योजना

31 अक्टूबर 2026 से 24 जनवरी 2027 तक ख़ुद को आगे रखें: आवेदन, प्रस्तुतियाँ, नई ज़िम्मेदारियाँ और मार्गदर्शकों से बातचीत।

24 जनवरी से 25 जून 2027 तक भीतर की ओर मुड़ें: अध्ययन, यात्रा, योजना, विश्राम और उदारता।

25 जून से 26 नवंबर 2027 तक उन योजनाओं पर काम करें, जब अगस्त में आपकी शनि महादशा शुरू होती है। 26 नवंबर 2027 से 2028 तक, जब गोचर में गुरु आपके दूसरे भाव में हों, अपनी बचत बनाएँ और पारिवारिक वित्त मज़बूत करें।

06 पारंपरिक उपाय

गुरु के लिए

गुरुवार गुरु का दिन है। शिक्षकों और बड़ों का सम्मान, शिक्षा या मंदिरों को दान, गुरु मंत्र ॐ बृहस्पतये नमः का पाठ, और गुरुवार को पीला पहनना पारंपरिक अभ्यास हैं, जो गुरु वापसी के दौरान विशेष रूप से मूल्यवान हैं।

क्योंकि आपके जन्म के गुरु अस्त हैं, इन दो वर्षों में सबसे उपयोगी अभ्यास बड़े निर्णयों से पहले अच्छी सलाह लेना है। अस्त गुरु शिक्षक की सलाह के माध्यम से ही बोलते हैं।

07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

गुरु के राशि परिवर्तन iAstroGuru Engine ने कुछ मिनटों की सटीकता से निकाले हैं, लाहिड़ी अयनांश और संपूर्ण राशि भाव के साथ। थोड़ी अलग सेटिंग वाले पंचांगों में कुछ घंटों का अंतर हो सकता है।

पाठ इन्हीं गणना किए गए तथ्यों से लिखा गया और जारी करने से पहले कुंडली से अपने आप मिलाकर जाँचा गया। ज्योतिष एक व्याख्यात्मक परंपरा है, और यहाँ कुछ भी चिकित्सीय, कानूनी या पैसे संबंधी सलाह नहीं है। यह नमूना एक काल्पनिक व्यक्ति, आरव शर्मा, के लिए 29 सितंबर 2026 से शुरू होने वाले दो वर्षों के लिए तैयार किया गया है।

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना, भरोसेमंद संदर्भों से सटीकता के लिए परखी गई।
इन गणनाओं से स्वचालित व्याख्या, हर रिपोर्ट हमारी बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से परखी गई।

Shiv Shakti Software Solutions (iAstroGuru)
Digitally signed on 9 Oct 2026, 14:35 IST
Document ID IAG-GPE3-XA3N-40WM